इसे वेबसाईट **www.govtpressmp.nic.in** से भी डाउन लोड किया जा सकता है.

मध्यप्रदेश राजपत्र

(असाधारण)

प्राधिकार से प्रकाशित

क्रमांक 232] भोपाल, मंगलवार, दिनांक 21 मई 2013—वैशाख 31, शक 1935

चिकित्सा शिक्षा विभाग

मंत्रालय, वल्लभ भवन, भोपाल

भोपाल, दिनांक 21 मई 2013

प्री. पी. जी. (स्नातकोत्तर डिग्री/डिप्लोमा) प्रवेश नियम, 2013

क्र. एफ-5-326-2012-1-पचपन.—राज्य सरकार, एतद्द्वारा, मध्यप्रदेश राज्य में शासकीय स्वशासी चिकित्सा एवं दंत चिकित्सा महाविद्यालयों में स्नातकोत्तर चिकित्सा (एम. डी. तथा एम. एस.) पाठ्यक्रम और स्नातकोत्तर डिप्लोमा तथा दंत चिकित्सा (एम. डी. एस.) पाठ्यक्रम में प्रवेश से संबंधित निम्नलिखित नियम बनाती है, अर्थात् :—

नियम

1. **संक्षिप्त नाम और प्रारंभ.**—(क) इन नियमों का संक्षिप्त नाम ''मध्यप्रदेश चिकित्सा तथा दंत चिकित्सा स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम प्रवेश नियम, 2013'' है.

(ख) ये ''मध्यप्रदेश राजपत्र'' में इनके प्रकाशन की तारीख से प्रवृत्त होंगे तथा शैक्षणिक वर्ष 2013-14 के लिए प्रवृत्त रहेंगे.

2. **परिभाषाएं.**—इन नियमों में, जब तक कि संदर्भ से अन्यथा अपेक्षित न हो.—

(क) ''नीट (NEET)'' से अभिप्रेत है, नेशनल एलिजीबिलिटी एवं एन्ट्रेंस टेस्ट;

(ख) ''महाविद्यालय'' से अभिप्रेत है, राज्य सरकार के अधीन शासकीय/स्वशासी चिकित्सा या दंत चिकित्सा महाविद्यालय;

(ग) ''परीक्षा'' से अभिप्रेत है, नेशनल बोर्ड ऑफ एक्जामिनेशन द्वारा आयोजित नेशनल एलिजीबिलिटी एवं एन्ट्रेंस टेस्ट प्रवेश वर्ष 2013-14;

(घ) ''सेवारत अभ्यर्थी'' से अभिप्रेत है, मध्यप्रदेश शासन के ऐसे चिकित्सा अधिकारी, जो मध्यप्रदेश शासन के अधीन नियमित शासकीय (राज्य अथवा जिला स्वास्थ्य समिति संविदा) सेवा कर रहे हों;

(च) ''प्रदर्शकों'' से अभिप्रेत है, मध्यप्रदेश शासन, चिकित्सा शिक्षा विभाग के अधीन शासकीय अथवा स्वशासी संस्था में कार्यरत प्रदर्शक.

(छ) ''अन्य पिछड़ा वर्ग'' से अभिप्रेत है, मध्यप्रदेश शासन द्वारा यथाविनिर्दिष्ट तथा अधिकथित अन्य पिछड़े वर्ग;

(ज) ''ग्रामीण क्षेत्र'' से अभिप्रेत है, मध्यप्रदेश शासन के नगर निगम क्षेत्र तथा नगरपालिका परिषद् क्षेत्र से भिन्न कोई क्षेत्र;

(झ) ''अधिसूचित क्षेत्र'' से अभिप्रेत है, मध्यप्रदेश राज्य में अधिसूचित 89 आदिवासी उपयोजना के विकासखण्डों में स्थित कोई भी क्षेत्र;

(ञ) ''अनुसूचित जाति'' से अभिप्रेत है, मध्यप्रदेश शासन द्वारा यथाविनिर्दिष्ट तथा अधिकथित अनुसूचित जातियां;

(ट) ''अनुसूचित जनजाति'' से अभिप्रेत है, मध्यप्रदेश शासन द्वारा यथाविनिर्दिष्ट तथा अधिकथित अनुसूचित जनजातियां;

(ठ) ''चयनित अभ्यर्थी'' से अभिप्रेत है, ऐसे अभ्यर्थी जिनका नेशनल बोर्ड ऑफ एक्जामिनेशन द्वारा आयोजित नेशनल एलिजीबिलिटी एवं एन्ट्रेंस टेस्ट की प्री. पी. जी. प्रवेश परीक्षा की योग्यता सूची के आधार पर प्रावीणयता में नाम अंकित है;

(ड) ''राज्य शासन'' से अभिप्रेत है, मध्यप्रदेश शासन;

(ढ) ''जनजाति क्षेत्र'' से अभिप्रेत है, जनजाति उपयोजना के अधीन क्षेत्र;

(ण) ''एम. सी. आई.'' से अभिप्रेत है, मेडिकल काउंसिल ऑफ इंडिया;

(प) ''डी. सी. आई'' से अभिप्रेत है, डेन्टल काउंसिल ऑफ इंडिया;

3. **सामान्य.**—(1) स्नातकोत्तर उपाधि एवं डिप्लोमा पाठ्यक्रम, एम. सी. आई./डी. सी. आई./विश्वविद्यालय/राज्य शासन/ भारत सरकार/ महाविद्यालय की स्वशासी संस्था की यथास्थिति, प्रवेश परीक्षा, आवंटन तथा प्रवेश के समय, समय-समय पर यथासंशोधित प्रवृत्त नियमों तथा विनियमों में किये गये संशोधनों द्वारा शासित तथा विनियमित होंगी.

(2) प्रवेश की तारीख से, उपाधि की दशा में, तीन वर्ष की कालावधि के लिये स्नातकोत्तर उपाधि पाठ्यक्रम एवं पत्रोपाधि की दशा में, स्नातकोत्तर पत्रोपाधि पाठ्यक्रम दो वर्ष की कालावधि के लिये पूर्णकालिक होंगे. छात्र को संपूर्ण अध्ययनकाल में निजी प्रेक्टिस, अंशकालिक नौकरी या कोई अन्य नौकरी करने की अनुज्ञा नहीं दी जाएगी.

(3) जब भी अपेक्षित हो सही जानकारी दी जानी तथा प्रस्तुत की जानी चाहिए. ऑनलाईन रजिस्ट्रेशन फार्म भरने से पूर्व अभ्यर्थी को यह सलाह दी जाती है कि वे नियमों को पूर्ण रूप से पढ़ लें एवं समझ लें और अपेक्षित की गई संपूर्ण तथा सही जानकारी भरें तथा अपेक्षित दस्तावेज संलग्न करें, जिसके अभाव में प्रार्थी को सीट आवंटन तथा प्रवेश की पात्रता नहीं होगी.

(4) अभ्यर्थी द्वारा नेशनल बोर्ड ऑफ एक्जामिनेशन (नीट पी. जी. 2013 परीक्षा) को प्रेषित किये जाने वाले ऑनलाईन पंजीयन अर्थात् आवेदन-पत्र के साथ जो फोटो संलग्न किये हैं वही फोटो आवंटित संस्था में प्रवेश के समय लेकर उपस्थित होवें.

(5) अभ्यर्थी द्वारा रजिस्ट्रेशन के समय मांगी गई जानकारी सही-सही दी जाएगी. स्क्रूटनी एवं प्रवेश के समय आवंटित महाविद्यालय में अभ्यर्थी अपने संपूर्ण हस्ताक्षर करेंगे तथा सभी स्थानों पर एक समान हस्ताक्षर करेंगे. हस्ताक्षरों में भिन्नता पाई जाने पर अभ्यर्थी सीट आवंटन/प्रवेश का हकदार नहीं होगा.

(6) यदि यह पाया जाता है कि अभ्यर्थी ने प्रवेश के समय, अभिलेखों की छानबीन के समय कोई सुसंगत तथ्य छिपाए हैं और/या गलत जानकारी दी है तो उसके अध्ययन के दौरान किसी भी समय उसका प्रवेश महाविद्यालय के डीन (अधिष्ठाता)/प्राचार्य द्वारा रद्द कर दिया जायेगा.

4. (1) **छात्र निम्नलिखित के लिये हकदार होंगे (इसमें सेवारत अभ्यर्थी/प्रदर्शक भी सम्मिलित हैं) :—**

(क) एक साप्ताहिक अवकाश (असंचयी),

(ख) प्रति शैक्षणिक सत्र में 19 दिवस के आकस्मिक अवकाश,

(ग) डीन (अधिष्ठाता)/प्राचार्य की पूर्व अनुमति से, संपूर्ण शिक्षण अवधि के दौरान छात्रवृत्ति के बिना केवल 90 दिवस के प्रसूति अवकाश की पात्रता होगी. चिकित्सा प्रमाण-पत्र अवकाश पर जाने के दस दिन के भीतर प्रस्तुत करना होगा.

(2) मध्यप्रदेश शासन, चिकित्सा शिक्षा विभाग के आदेश क्र. 147/4572/03/पचपन/चिशि-1, दिनांक 14 जनवरी 2004 के अनुसार पूर्व अनुमति से, छात्रवृत्ति के बिना प्रतिवर्ष 15 दिवस का चिकित्सा अवकाश लेने की पात्रता होगी. बीमारी का प्रमाण-पत्र अवकाश पर जाने के पश्चात् 10 दिन के भीतर प्रस्तुत करना होगा. यह अवकाश प्रतिवर्ष लिया जा सकेगा तथापि इसे किसी भी परिस्थिति में अन्य वर्षों के साथ संचय नहीं किया जा सकेगा.

5. दुराचरण, अनुशासनहीनता तथा अनाधिकृत रूप से अनुपस्थित रहने के दोषी पाये जाने वाले छात्र, अनुशासनात्मक कार्यवाही के लिए उत्तरदायी होंगे, जिसमें अधिष्ठाता/प्राचार्य के द्वारा महाविद्यालय से निष्कासन एवं विश्वविद्यालय द्वारा रजिस्ट्रीकरण का रद्द किया जाना सम्मिलित है.

6. भारतीय चिकित्सा परिषद, (एम. सी. आई.) नई दिल्ली से मान्यता प्राप्त सीटों का विषयवार, पाठ्यक्रमवार एवं महाविद्यालयवार समस्त स्नातकोत्तर उपाधि एवं पत्रोपाधि स्थानों (सीटों) की जानकारी काउंसलिंग के समय उपलब्ध करवाई जाएगी.

7. **आरक्षण.**—मध्यप्रदेश की अनुसूचित जनजाति के अभ्यर्थियों के लिए 20 प्रतिशत स्थान, अनुसूचित जाति के अभ्यर्थियों के लिए 16 प्रतिशत स्थान एवं मध्यप्रदेश के अन्य पिछड़े वर्गों के अभ्यर्थियों के लिए (क्रीमिलेयर को छोडकर) 14 प्रतिशत स्थान आरक्षित रहेंगे या समय-समय पर यथासंशोधित अनुसार आरक्षित रहेंगे—

(1) महिला अभ्यर्थियों के लिये, आरक्षण प्रत्येक प्रवर्ग में योग्यता (मेरिट)-सह-विकल्प के अनुसार 30 प्रतिशत होगा.

(2) ऐसे अभ्यर्थी को जो मध्यप्रदेश के अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति/अन्य पिछड़ा वर्ग के हों उन्हें आवेदन के साथ मध्यप्रदेश शासन द्वारा अधिकृत सक्षम प्राधिकारी से विहित प्रपत्र में स्थायी जाति प्रमाण-पत्र प्रस्तुत करना होगा. प्रमाण-पत्र पर प्रकरण क्रमांक, दिनांक एवं अधिकारी की सील होना आवश्यक है, अन्यथा प्रमाण-पत्र मान्य नहीं किया जावेगा. स्थायी जाति प्रमाण-पत्र प्रस्तुत नहीं करने पर आरक्षण की पात्रता नहीं होगी, जिसका उत्तरदायित्व स्वयं अभ्यर्थी का होगा.

(3) ऐसे विकलांग व्यक्ति जो मध्यप्रदेश के स्थानीय निवासी हैं और जो अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति/अन्य पिछड़ा वर्ग एवं अनारक्षित प्रवर्ग के हैं, के लिए तीन प्रतिशत स्थान (स्नातकोत्तर) पाठ्यक्रम में प्रवेश हेतु आरक्षित हैं.

एम. सी. आई. के निर्देशानुसार क्रमांक सं. भा. आ. प.-34 (41) 2008-मेडि/54469, दिनांक 25 मार्च 2009 के अनुसार ऐसी सीटें पहले 50 प्रतिशत से 70 प्रतिशत के बीच निचले अंगों की गतिक विकलांगता वाले अभ्यर्थियों से भरी जाएगी. 50 प्रतिशत से 70 प्रतिशत के बीच निचले अंगों की गतिक विकलांगता वाले अभ्यर्थी उपलब्ध न होने की स्थिति में 40 प्रतिशत से लेकर 50 प्रतिशत से कम तक के बीच निचले अंगों की गतिक विकलांगता वाले अभ्यर्थियों से यह स्थान भरे जाएंगे.

उपरोक्त आरक्षण के अनुसार अभ्यर्थी उपलब्ध न होने पर उक्त स्थान (सीटें) सम्बन्धित प्रवर्ग के अभ्यर्थियों से ही भरी जायेंगी.

''इन स्थानों (सीट) पर प्रवेश के इच्छुक अभ्यर्थी को विहित प्रपत्र में जिला मेडीकल बोर्ड से वैध प्रमाण-पत्र और अधीक्षक, भारत सरकार, श्रम मंत्रालय, विकलांग व्यवसायिक पुनर्वास केन्द्र, नेपियर टाउन, जबलपुर से पात्रता प्रमाण-पत्र, दोनों ही अनिवार्यतः प्रस्तुत करना होगा. अभिलेख सत्यापन (स्क्रूटनी) के समय दोनों प्रमाण-पत्र प्रस्तुत नहीं करने की स्थिति में सीट आवंटन एवं प्रवेश की पात्रता नहीं होगी. पात्रता प्रमाण-पत्र की तिथि स्क्रूटनी की तिथि से तीन माह से ज्यादा पुरानी नहीं होना चाहिये.

रजिस्ट्रेशन के पश्चात् विकलांगता के प्रतिशत 50 से 70 विकलांगता तथा 40 से 50 प्रतिशत से कम विकलांगता के आधार पर एम. पी. ऑनलाईन द्वारा संचालक चिकित्सा शिक्षा के अनुमोदन उपरांत अलग-अलग मेरिट लिस्ट तैयार की जाएगी जिसके आधार पर विकलांग कोटे की सीटों का आवंटन किया जावेगा. दो अभ्यर्थियों में समान अंक होने की स्थिति में अभ्यर्थी की आयु में वरीयता को अधिमान देते हुए प्राथमिकता निर्धारित की जाएगी.

एम. सी. आई. द्वारा बनाए गए दिशा निर्देश के अनुसार निम्नलिखित विकलांगों को विकलांग श्रेणी में पात्रता नहीं होगी.—

(1) हाथ/हाथों से विकलांग

(2) दृष्टि से विकलांग

(3) बहरापन

(4) 70 प्रतिशत से अधिक पैरों की विकलांगता.

(4) स्नातकोत्तर उपाधि तथा पत्रोपाधि पाठ्यक्रमों में ऐसे सेवारत चिकित्सा अधिकारी जो मध्यप्रदेश शासन के किसी भी विभाग में सेवारत हों, (प्रदर्शकों के अलावा) के चयन के लिये आरक्षित सीटों की जानकारी काउंसलिंग के समय उपलब्ध कराई जायेगी.

8. **चयन मापदंड (सेवारत अभ्यर्थी).—सेवारत अभ्यर्थियों के लिये उपाधि तथा पत्रोपाधि पाठ्यक्रम हेतु चयन प्रक्रिया एवं शर्तें निम्नानुसार होंगी :—**

(1) **चिकित्सा अधिकारी.**—(क) केवल वे अभ्यर्थी जिन्होंने प्रवेश वर्ष के 30 अप्रैल को चिकित्सा अधिकारी के रूप में, जो मध्यप्रदेश शासन के लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग में कार्यरत हो एवं जिसने ग्रामीण क्षेत्र/अधिसूचित क्षेत्र में 03 वर्ष की सेवा पूर्ण कर ली हो अथवा ऐसा अभ्यर्थी जिसने मध्यप्रदेश शासन के लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग में संविदा/आर.सी.एच./एन.आर.एच.एम. या अन्य कार्यक्रम के अंतर्गत चिकित्सक के रूप में ग्रामीण क्षेत्र/अधिसूचित क्षेत्र में सेवा के 03 वर्ष की अर्हताकारी सेवा पूर्ण कर लीं हैं, सेवारत अभ्यर्थी के रूप में चयन हेतु पात्र होंगे.

(क-1) सेवारत् एवं उपरोक्तानुसार संविदा पर कार्यरत अभ्यर्थियों के पी. जी. पाठ्यक्रम पूर्ण करने के उपरांत डिग्री हेतु 05 वर्ष की सेवा तथा डिप्लोमा पाठ्यक्रम पूर्ण करने के पश्चात् 03 वर्ष की सेवा विभाग में देने हेतु बाण्ड का निष्पादन करना होगा जो पी. जी. डिग्री के लिये रुपये 10.00 लाख तथा पी. जी. डिप्लोमा हेतु रुपये 8.00 लाख होगा.

(क-2) मात्र वही सेवारत् अभ्यर्थी जो नियमित सेवा के हैं, स्पांसर माने जावेंगे तथा उन्हें विभाग द्वारा वेतन प्रदाय किया जाएगा. स्पांसरशिप का आशय सेवारत् अभ्यर्थियों को सेवा में मानते हुए वेतन भुगतान से होगा. यह स्पांसरशिप पाठ्यक्रम फीस एवं किसी अन्य लाभ के लिये देय नहीं होगा.

(क-3) तीन वर्ष की अर्हताकारी सेवा हेतु उस कालावधि की गणना ग्रामीण/अधिसूचित क्षेत्र सेवा के प्रयोजन के लिये उस स्थिति में नहीं की जावे जब वह ग्रामीण क्षेत्र अथवा अधिसूचित क्षेत्र से भिन्न क्षेत्र में पदस्थ अथवा संलग्न रहा हो अथवा यदि अभ्यर्थी उस कार्यकाल के दौरान अनाधिकृत रूप से कर्तव्य से अनुपस्थित रहा है. कोई डायजनॉन अवधि हुई/कोई अवैतनिक छुट्टी की अवधि पर रहा है/तीन माह से अधिक की कालावधि तक प्रशिक्षण पर रहा है.

(ख) मध्यप्रदेश शासन के अन्य विभाग में नियमित सेवारत चिकित्सा अधिकारियों को प्रवेश वर्ष की 30 अप्रैल 2013 को पांच वर्ष की सेवा होने पर चयन की पात्रता होगी. ऐसे अभ्यर्थी को स्नातकोत्तर डिग्री/डिप्लोमा पाठ्यक्रम पूरा करने के उपरांत कम से कम 1 वर्ष के लिये अधिसूचित ग्रामीण क्षेत्रों में अपनी सेवायें देने के लिए बॉण्ड निष्पादित करना होगा. शासन के अनुदेशों के अनुसार पी. जी. डिग्री के लिये 10.00 लाख तथा पी. जी. डिप्लोमा पाठ्यक्रम हेतु 8.00 लाख का बॉण्ड भरना होगा.

(ग) सेवारत पुरूष अभ्यर्थियों के चयन हेतु अधिकतम आयु सीमा प्रवेश वर्ष की 30 अप्रैल को 45 वर्ष होगी तथा महिला अभ्यिर्थियों के लिये अधिकतम आयु सीमा 50 वर्ष होगी.

(घ) ग्रामीण/अधिसूचित क्षेत्र सेवारत्/संविदा अभ्यर्थियों को उनके सेवाकाल में लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग द्वारा केवल एक बार (डिग्री/डिप्लोमा) इस कोटे का लाभ दिया जावेगा, भले ही अभ्यर्थी सेवा में आने से पूर्व स्नातकोत्तर परीक्षा (डिग्री/डिप्लोमा) उत्तीर्ण हो.

(2) **प्रदर्शक.**—(क) चिकित्सा महाविद्यालयों में कार्यरत् शासकीय एवं स्वशासी संस्थाओं के प्रदर्शकों को 6 सीटें आरक्षित की गई हैं, जिनकी जानकारी काउंसलिंग के समय उपलब्ध कराई जाएगी. जिन प्रदर्शकों ने सर्विस के 5 वर्ष लगातार नियमित सेवा पूर्ण कर ली हो, केवल वे ही पात्र होंगे. स्क्रूटनी के समय इन्हें अपने नियोक्ता का अनापत्ति प्रमाण-पत्र प्रस्तुत करना होगा. पी. जी. पाठ्यक्रम पूर्ण करने के उपरांत पांच वर्ष की सेवा चिकित्सा शिक्षा विभाग में देने हेतु रुपये 10.00 लाख का बाण्ड निष्पादन करना होगा.

पदस्थापना का पद व स्थान का निर्णय चिकित्सा शिक्षा विभाग के अधीन होगा. पदस्थापना एवं पदोन्नति के संबंध में समस्त अधिकार म. प्र. शासन, चिकित्सा शिक्षा विभाग के होंगे. अभ्यर्थी को अपनी इच्छानुसार पदस्थापना/ पदोन्नति करवाने हेतु आवेदन करने का कोई अधिकार नहीं होगा.

(ख) प्रदर्शकों के चयन हेतु अधिकतम आयु सीमा प्रवेश वर्ष की 30 अप्रैल को 45 वर्ष से अधिक नहीं होगी.

9. **परीक्षा एवं योग्यता सूची (मेरिट-लिस्ट) :** (1) स्नातकोत्तर प्रवेश हेतु नेशनल बोर्ड ऑफ एक्जामिनेशन द्वारा घोषित प्रावीण्य सूची मान्य की जावेगी.

(2) अभ्यर्थी पंजीयन फार्म में यह विकल्प दें सकेंगे कि वे स्वशासी अथवा निजी महाविद्यालयों में से किसमें प्रवेश लेना चाहते हैं, विकल्प निम्न प्रकार होगा:—

(अ) स्वशासी चिकित्सा/दंत चिकित्सा महाविद्यालय
(ब) निजी चिकित्सा/दंत चिकित्सा महाविद्यालय
(स) उक्त दोनों विकल्प

(3) सेवारत अभ्यर्थी/प्रदर्शक भी नीट प्री. पी. जी. 2013 प्रवेश परीक्षा के आधार पर चयनित किये जाएंगे. सेवारत अभ्यर्थियों/ प्रदर्शकों को नीट प्री-पी.जी. प्रवेश परीक्षा द्वारा पी. जी. सीट पर प्रवेश हेतु नीट प्री. पी. टी. परीक्षा 2013 के नियमों में विहित न्यूनतम अर्हकारी अंक प्राप्त करने होंगे. पंजीयन के उपरांत सफल सेवारत अभ्यर्थियों/प्रदर्शकों की एक पृथक्-पृथक् पात्रता एवं मेरिट लिस्ट तैयार की जाएगी.

(4) **प्रदर्शक.**—प्रदर्शकों हेतु सेवा से पृथक् से अंक दिए जाने का कोई प्रावधान नहीं है. नीट प्री. पी. जी. में प्राप्ताकों के आधार पर प्रदर्शकों की श्रेणीवार पृथक् मेरिट सूची संचालक चिकित्सा शिक्षा द्वारा घोषित की जाएगी जिसके आधार पर काउंसलिंग की कार्यवाही की जावेगी.

(5) सेवारत अभ्यर्थियों द्वारा पंजीयन करने के अंतिम दिनांक की समाप्ति के उपरांत अभ्यर्थियों की सूची आयुक्त स्वास्थ्य सेवायें को उपलब्ध कराई जाएगी. आयुक्त स्वास्थ्य सेवायें प्राप्त सूची में निम्नांकित गणना के आधार पर अतिरिक्त अंक जोड़कर उन्हें योग्यता सूची में शामिल कर अंतिम योग्यता सूची तैयार कर प्रवेश हेतु संचालक चिकित्सा शिक्षा को सौंपेंगे.

सेवारत अभ्यर्थी जो सफल घोषित किए गए हों, को निम्नांकित गणना के आधार पर अतिरिक्त अंक जोड़कर उन्हें अंतिम योग्यता सूची में शामिल किए जाने के लिये उन पर विचार किया जाएगा.

(5.1) **चिकित्सा अधिकारी.**—सेवारत अभ्यार्थियों की पारस्परिक योग्यता (इण्टर-से-मेरिट) ग्रामीण क्षेत्रों में की गई उनकी सेवा के लिये अधिमान के अंक जोड़कर निश्चित की जाएगी. ग्रामीण क्षेत्रों में सेवारत अभ्यर्थी को अधिकतम 50 अंक प्राप्त होंगे, जो निम्नलिखित आधार पर आवंटित किए जाएंगे.—

(क) ग्रामीण क्षेत्र में पदस्थापना के दौरान की गई एक वर्ष की शासकीय सेवा के लिये अधिकतम 06 अंक अधिमान दिए जाएंगे. ग्रामीण क्षेत्र की सेवा के लिये अधिकतम प्राप्तांक 30 अथवा 20 होंगे जो प्रतिवर्ष हेतु 5 वर्ष के लिये निम्नानुसार अंक होंगे:—

यदि ऐसी सेवा ग्रामीण क्षेत्र में स्थित प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र अथवा सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र में की गई हो तो एक वर्ष के लिए 06 अंक दिए जाएंगे तथा यदि सेवा नगर पंचायत क्षेत्र में स्थित प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र अथवा सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र में की गई है, जो नगरपालिका अधिनियम, 1961 के अन्तर्गत बनाये गये हैं तो एक वर्ष के लिये 04 अंक दिये जाएंगे.

(ख) ऐसी सेवा के प्रत्येक वर्ष के लिये अतिरिक्त अंक दिये जाएंगे, यदि ग्रामीण क्षेत्र आदिवासी उपयोजना के अन्तर्गत आता है. तथा यदि ऐसी सेवाएं प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र में की गई हैं तो अभ्यर्थी को पांच वर्ष हेतु 04 अतिरिक्त अंक प्रतिवर्ष की दर से अधिकतम 20 अतिरिक्त अंक दिये जाएंगे और सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र में की गई ऐसी सेवाओं के लिए 02 अंक प्रतिवर्ष की दर से पांच वर्ष के लिए अतिरिक्त 10 अंक दिए जाएंगे.

(ख-1) महिला सेवारत् अभ्यर्थियों को ग्रामीण/अधिसूचित क्षेत्रों में की गई सेवा के प्रतिवर्ष के मान से दो अतिरिक्त अंक प्रदाय किये जायेंगे.

(ग) इस नियम के प्रयोजन के लिए, अभ्यर्थी की सेवा अवधि की उस कालावधि की गणना ग्रामीण सेवा के अधिमान के अंक की गणना करने के प्रयोजन के लिए उस स्थिति में नहीं की जाएगी. जब वह ग्रामीण क्षेत्र अथवा अधिसूचित क्षेत्र अथवा आदिवासी क्षेत्र में पदस्थ रहा हो और यदि अभ्यर्थी ग्रामीण क्षेत्र में ग्रामीण सेवा के कार्यकाल के दौरान अनधिकृत रूप से कर्तव्य से अनुपस्थित रहा है/कोई डाई-ज-नॉन अवधि हुई है/कोई अवैतनिक छुट्टी की अवधि पर रहा है/ 03 माह से अधिक की कालावधि तक प्रशिक्षण पर रहा है/शहरी क्षेत्र में संलग्न रहा है.

(घ) सेवारत अभ्यर्थियों की अंतिम योग्यता सूची (मेरिट लिस्ट) प्रवेश परीक्षा में अभिप्राप्त अंकों तथा लोक स्वास्थ्य विभाग द्वारा उपलब्ध कराए गए ग्रामीण/आदिवासी क्षेत्रों में सेवा के लिये प्राप्त किए गए अधिमान के अंकों (अधिकतम 50 अंकों के बराबर) के आधार पर तैयार की जाएगी.

(ङ) दो या उससे अधिक सेवारत् अभ्यर्थियों को बराबर अंक मिलने की दशा में अभ्यर्थी की आयु में वरियता को अधिमान देने हुए प्राथमिकता निर्धारित की जाएगी.

(च) सेवारत अभ्यर्थियों की परामर्श (काउंसलिंग) चिकित्सा शिक्षा विभाग द्वारा की जाएगी.

(6) अन्य विभाग, सेवारत् चिकित्सा अधिकारियों के नाम, विभाग की टीप के साथ आयुक्त, स्वास्थ्य सेवाएं, मध्यप्रदेश को प्रेषित करेंगे आयुक्त, स्वास्थ्य सेवाएं आवेदकों के नाम सेवारत अभ्यर्थियों की सूची में सम्मिलित कर संचालक चिकित्सा शिक्षा को भेजेंगे.

(7) **अभिलेख सत्यापन.**—(सेवारत अभ्यर्थियों/प्रदर्शकों को अपने अभिलेख विहित प्रारूप में स्क्रूटनी समिति को प्रस्तुत करने होंगे) सेवारत अभ्यर्थियों/प्रदर्शकों को अपने विभाग से प्राप्त अनापत्ति प्रमाण-पत्र स्क्रूटनी के समय प्रस्तुत करना होगा तथा प्रवेश के समय विभाग से प्राप्त नियोक्ता का स्पांसरशिप प्रमाण-पत्र प्रस्तुत करना अनिवार्य होगा.

10. **पाठ्यक्रम पूर्ण करने के पश्चात् विभाग में वापसी.**—पी. जी. डिग्री पाठ्यक्रम के लिए सामान्य अवधि 36 माह एवं पी. जी. डिप्लोमा पाठ्यक्रम के लिये 24 माह है. पाठ्यक्रम/अध्ययन अवधि पूर्ण करने वाले अभ्यर्थी को परीक्षा में उनकी प्रास्थिति पर विचार किए बिना पैतृक विभाग में वापस जाना होगा, भले ही वे परीक्षा में उत्तीर्ण हुये हों अथवा नहीं. किसी भी परिस्थिति में अध्ययन जारी रखने का कार्यकाल बढ़ाया नहीं जायेगा.

11. **फीस, बंध पत्र आदि.**—सेवारत अभ्यर्थियों/प्रदर्शकों को छोड़कर अन्य चयनित अभ्यर्थियों (गैर सेवारत् चयनित अभ्यर्थी) को प्रवेश के समय पी. जी. उपाधि/पत्रोपाधि (डिप्लोमा) पाठ्यक्रम पूरा करने के पश्चात् कम-से-कम एक वर्ष तक राज्य सरकार के अधीन शासन द्वारा निर्देशित स्थानों में कार्य करने के लिये शासन के अनुदेशों के अनुसार अर्थात् स्नातकोत्तर डिग्री के लिये रुपये 10.00 लाख तथा डिप्लोमा पाठ्यक्रम के लिये रुपये 8.00 लाख का बंध पत्र निष्पादित करना होगा. शासकीय/स्वशासी दंत/चिकित्सा महाविद्यालय के सभी अधिष्ठाता, ऐसे अभ्यर्थियों की सूची, कम से कम 3 माह पूर्व आयुक्त, स्वास्थ्य सेवाओं को उपलब्ध कराऐंगे जो उनके संस्थान में विश्वविद्यालय परीक्षा में सम्मिलित होने जा रहे हैं. तत्पश्चात् वे पी. जी. परीक्षा में सफल अभ्यर्थियों की सूची भी उपलब्ध कराएंगे. आयुक्त, स्वास्थ्य सेवाएं, ऐसे सफल अभ्यर्थियों का परिणाम घोषित होने के 3 माह के भीतर नियुक्ति पत्र जारी करेंगे. अन्यथा ऐसे अभ्यर्थियों के भराये गये बंध पत्र स्वमेव निरस्त माने जावेंगे. ऐसे चिकित्सकों को राज्य सरकार के अधीन निर्दिष्ट स्थान पर सेवाएं देना होंगी.

मध्यप्रदेश शासन, चिकित्सा शिक्षा विभाग, मंत्रालय के आदेश क्रमांक एफ-4-7-2010-1-पचपन, दिनांक 25 अगस्त 2010 के अनुसार जिन स्नातक/स्नातकोत्तर छात्रों का चयन विभाग के अधीन स्वशासी दन्त/चिकित्सा महाविद्यालयों में सहायक प्राध्यापक/सीनियर रेसीडेंट/जूनियर रेसीडेंट/प्रदर्शक के पद पर हो जाता है, उन्हें ग्रामीण सेवा के बाण्ड/अधिसूचित क्षेत्र में सेवा के बाण्ड से इस शर्त के साथ मुक्त किया जाए कि वे बाण्ड अवधि के बराबर अवधि तक उक्त महाविद्यालयों में सेवा करेंगे. उक्त अवधि के पूर्व सेवा छोड़ने की स्थिति से ग्रामीण/अधिसूचित क्षेत्रों में सेवा हेतु किये गये बाण्ड की शर्तें लागू हो जायेंगी और उन्हें निर्धारित अवधि तक ग्रामीण सेवा करनी होगी.

12. **फीस संरचना.**—प्रत्येक अभ्यर्थी (सेवारत् अभ्यर्थियों/प्रदर्शकों सहित) को नीचे यथावर्णित फीस नियमित रूप से जमा करनी होगी:—

1.	शैक्षणिक फीस (डिग्री)	रुपये 35,000/- प्रतिवर्ष
2.	शैक्षणिक फीस (डिप्लोमा)	रुपये 35,000/- प्रतिवर्ष
3.	छात्रावास फीस	रुपये 10,000/- प्रतिवर्ष
4.	छात्र निधि	रुपये 500/- प्रतिवर्ष
5.	काशनमनी (वापसी योग्य)	रुपये 3,000/-
6.	सुरक्षा निधि (वापसी योग्य)	रुपये 10,000/-

12.1 **फीस वापसी.**—अखिल भारतीय कोटे व स्टेट कोटे से पीजी पाठ्यक्रम में प्रवेशित छात्रों द्वारा स्टेट कोटे की अंतिम काउंसलिंग के सात दिवस पूर्व सीट छोड़ने संबंधी सूचना लिखित में संस्था में प्रस्तुत करने पर ऐसे छात्रों द्वारा जमा फीस से 10 प्रतिशत राशि काटकर शेष राशि लौटाई जावेगी. उक्त समय-सीमा के बाद प्राप्त आवेदनों पर कोई विचार नहीं किया जावेगा तथा जमा राशि वापसी योग्य नहीं होगी. यह प्रक्रिया राज्य एवं राज्य के बाहर के प्रवेश लेने वाले छात्रों पर समान रूप से लागू होगी. राज्य शासन के माध्यम से आयोजित काउंसलिंग के द्वारा स्वशासी संस्थाओं में रिएलोकेशन द्वारा सीट परिवर्तित करने वाले छात्रों की फीस एक संस्था से दूसरी संस्था में हस्तांतरित की जावेगी.

13. **प्रतिभूति निक्षेप.**—(1) प्रवेश के उपरांत अभ्यर्थी को रुपये 10,000/- प्रतिभूति निक्षेप के रूप में जमा करना होगा. इस हेतु प्रक्रिया काउंसलिंग के समय सूचित की जावेगी :

परंतु अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति के ऐसे अभ्यर्थी जिनके माता-पिता/संरक्षक की आय समस्त स्त्रोतों को मिलाकर रुपये 3.00 लाख प्रतिवर्ष से अधिक नहीं है, कोई प्रतिभूति निक्षेप नहीं करेंगे. अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति के ऐसे अन्य अभ्यर्थी जिनके माता-पिता/संरक्षक की आय समस्त स्त्रोतों को मिलाकर रुपये 3.00 लाख प्रतिवर्ष से अधिक है एवं अन्य पिछड़ा वर्ग के सभी अभ्यर्थी केवल रुपये 2,000/- प्रतिभूति निक्षेप के रूप में जमा करेंगे.

(2) पाठ्यक्रम सफलतापूर्वक पूर्ण करने के पश्चात् प्रतिभूति निक्षेप की राशि बिना ब्याज के वापसी योग्य होगी. उस दशा में जब कोई अभ्यर्थी आवंटित पाठ्यक्रम, विषय एवं संस्था में प्रवेश नहीं लेता है या किसी भी कारण से पाठ्यक्रम पूर्ण करने से पूर्व पाठ्यक्रम में अध्ययन बंद कर दें और महाविद्यालय छोड़ दें तो प्रतिभूति निक्षेप पर उसका दावा समपहृत हो जाएगा.

14. **पात्रता.**—(1) अभ्यर्थी को मध्यप्रदेश का स्थानीय निवासी होना चाहिये. **निम्नलिखित में से किसी भी एक परिस्थिति में भी मध्यप्रदेश के स्थानीय निवासी की श्रेणी में शामिल होना माना जावेगा :—**

1.1 मध्यप्रदेश में कम से कम 15 वर्ष से निरंतर निवासरत हो.

1.2 मध्यप्रदेश में पिछले 10 वर्षों से निरंतर निवासरत हो और मध्यप्रदेश में अचल सम्पत्ति धारित करता हो/उद्योग/व्यवसाय करता हो.

1.3 राज्य शासन का सेवारत या सेवानिवृत्त शासकीय सेवक हो.

1.4 मध्यप्रदेश शासन के अन्तर्गत स्थापित संस्था/निगम/मण्डल/आयोग का सेवारत/सेवानिवृत्त कर्मचारी हो.

1.5 केन्द्र शासन का मध्यप्रदेश की सीमा में 10 वर्ष से सेवारत शासकीय सेवक हो.

1.6 अखिल भारतीय सेवाओं के मध्यप्रदेश राज्य को आवंटित अधिकारी हो.

1.7 मध्यप्रदेश में संवैधानिक अथवा विधिक पद पर महामहिम राष्ट्रपति/महामहिम राज्यपाल द्वारा नियुक्त हो.

नोट.—(उपरोक्त 1.1 से 1.7 के आधार पर अभ्यर्थी का म. प्र. निवासी होने का सक्षम अधिकारी द्वारा जारी प्रमाण-पत्र होना आवश्यक है.)

1.8 अभ्यर्थी द्वारा एम.बी.बी.एस./बी.डी.एस. की समस्त परीक्षाएं मध्यप्रदेश के चिकित्सा/दंत चिकित्सा महाविद्यालय से उत्तीर्ण होना चाहिए.

1.9 अभ्यर्थी जो मूल रूप से मध्यप्रदेश के निवासी हैं परंतु उन्होंने एम.बी.बी.एस./बी.डी.सी. पाठ्यक्रम मध्यप्रदेश के बाहर की संस्था से जो कि भारतीय आयुर्विज्ञान परिषद्/अखिल भारतीय दंत चिकित्सा परिषद्, नई दिल्ली से मान्यता प्राप्त हो, से उत्तीर्ण की हो.

1.10 मध्यप्रदेश शासन के विभाग द्वारा नामांकित चिकित्सा अधिकारी (सेवारत चिकित्सा अधिकारी).

1.11 मध्यप्रदेश शासन, चिकित्सा शिक्षा विभाग के अंतर्गत शासकीय एवं स्वशासी संस्थाओं में कार्यरत प्रदर्शक.

(2) सभी पी. जी. प्रवेशित मेडिकल छात्रों को मध्यप्रदेश राज्य में मध्यप्रदेश आयुर्विज्ञान परिषद् से पंजीकृत कराना आवश्यक है अन्यथा प्रवेश निरस्त की कार्यवाही की जाएगी.

2.1 पी. जी. सीट आवंटन होने के पश्चात् आवंटित सीट पर प्रवेश लेने के एक माह के भीतर मध्यप्रदेश आयुर्विज्ञान परिषद् में पंजीकृत चिकित्सक होने हेतु आवेदन तथा संबंधित फीस जमा करने का प्रमाण-पत्र प्रस्तुत करना होगा.

2.2 पात्र अभ्यर्थी ने एम.सी.आई/डी.सी.आई. द्वारा मान्यता प्राप्त संस्थाओं में दिनांक 31 मार्च 2013 को या उसके पूर्व अनिवार्य इंटर्नशीप पूर्ण कर ली हो.

(3) कोई भी अभ्यर्थी जिसमें सेवारत अभ्यर्थी/प्रदर्शक भी सम्मिलित है, तीन वर्ष की कालावधि तक स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम करने का हकदार नहीं होगा यदि उसे अखिल भारतीय परीक्षा या स्टेट प्री. पी. जी. प्रवेश परीक्षा के माध्यम से स्थान आवंटित हुआ था और उसने 2012 तथा उसके पूर्ववर्ती विगत दो वर्ष के दौरान किसी कारण से प्रवेश लेकर उसके पश्चात् स्थान (सीट) छोड़ दिया हो. इसके अतिरिक्त वे अभ्यर्थी जिन्होंने पीजी डिग्री/डिप्लोमा पाठ्यक्रम पूर्ण कर लिया है, उन्हें उनके द्वारा पूर्ण किये गये पाठ्यक्रम के पश्चात् आगामी तीन/दो वर्ष तक पी. जी. सीट आवंटन की पात्रता नहीं होगी.

(4) ऐसे अभ्यर्थी जिन्हें उनके अखिल भारतीय प्रवेश परीक्षा, (नीट पी. जी. 2013) की ऑल इंडिया मेरिट के आधार पर मध्यप्रदेश में स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम में अखिल भारतीय कोटे में प्रवेश दिया गया है तथा उनका चयन, अखिल भारतीय प्रवेश परीक्षा (नीट पी. जी. 2013)की मध्यप्रदेश स्टेट की मेरिट में भी हुआ है, वे मध्यप्रदेश कोटे के लिये भी आयोजित परामर्श (काउंसलिंग) में भाग लेने के लिये पात्र होंगे. तथापि वह यदि ऐसे परामर्श (काउंसलिंग) में स्टेट कोटे में स्थान (सीट) का चयन करता है तो उसे अखिल भारतीय कोटा का स्थान (सीट) छोड़ देना होगा.

नोट.—(1) मध्यप्रदेश शासन चिकित्सा शिक्षा विभाग के आदेश क्र. एफ-5-15/03/55/चिशि/1, दिनांक 26 दिसम्बर 2003 के अनुसार एम.बी.बी.एस. पाठ्यक्रम में प्रवेशित बाण्डेड छात्र, जो छात्र स्नातकोत्तर नीट परीक्षा, 2013-14 में उत्तीर्ण हुए हैं, उन्हें मध्यप्रदेश शासन के लोक स्वास्थ्य परिवार कल्याण विभाग अथवा चिकित्सा शिक्षा विभाग से अनापत्ति प्रमाण-पत्र प्रस्तुत करना होगा तभी उन्हें स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम में प्रवेश दिया जायेगा.

15. **योग्यता सूची.**—सेवारत अभ्यर्थियों (चिकित्सा अधिकारी), प्रदर्शकों एवं गैर सेवारत अभ्यर्थियों की पृथक् -पृथक् योग्यता (मेरिट) सूची, संचालक, चिकित्सा शिक्षा के अनुमोदन उपरांत घोषित की जावेगी—

(1) अनारक्षित श्रेणी के गैर सेवारत प्रवर्ग की एक योग्यता (मेरिट) सूची घोषित की जावेगी, जिसमें सभी सफल अभ्यर्थी शामिल किये जावेंगे, (NEET PG प्रवेश परीक्षा 2013 के घोषित परिणाम अनुसार).

(2) आरक्षित वर्ग के (अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति/अन्य पिछड़ा वर्ग) के उन सभी गैर सेवारत अभ्यर्थियों की पृथक्-पृथक् मेरिट सूची घोषित की जावेगी (NEET PG प्रवेश परीक्षा 2013 के घोषित परिणाम अनुसार).

(3) सभी गैर सेवारत अभ्यर्थियों की श्रेणीवार सूचियों में विकलांग अभ्यर्थी अपनी मेरिट के अनुसार सम्मिलित किए जाएंगे. विकलांग अभ्यर्थियों के लिये म. प्र. राज्य के शासकीय चिकित्सा महाविद्यालयों में सुनिश्चित सीटें ही उपलब्ध होंगी.

(4) विकलांग अभ्यर्थियों की श्रेणीवार परीक्षा परिणाम भी तैयार किया जाएगा.

(5) सूचियों में कोई प्रतीक्षा सूची नहीं होगी.

(6) सेवारत अभ्यर्थियों (चिकित्सा अधिकारी) की पृथक् योग्यता सूची बिन्दु क्रमांक 1 से 5 तक उपरोक्तानुसार श्रेणीवार नीट पी. जी. 2013 परीक्षा में प्राप्त न्यूनतम अर्हकारी अंकों तथा लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग मध्यप्रदेश द्वारा आवंटित अंकों को जोड़ने के पश्चात् बनाई जाएगी. परामर्श (काउंसलिंग) अंतिम योग्यता सूची के अनुसार की जाएगी.

(7) प्रदर्शकों की पृथक् से योग्यता सूची तैयार की जावेगी.

16. **परामर्श (काउंसलिंग).**—

(1) परामर्श (काउंसलिंग) की प्रक्रिया ऑनलाईन की जावेगी जिसकी विस्तृत जानकारी पृथक् से घोषित की जाएगी.

(2) सेवारत उम्मीदवारों (चिकित्सा अधिकारी) एवं प्रदर्शकों को केवल अपनी श्रेणी से सीट आवंटन की पात्रता होगी.

(3) सेवारत अभ्यर्थियों एवं प्रदर्शकों की काउंसलिंग/आवंटन के पश्चात् रिक्त रही सीटें उसी श्रेणी के ओपन गैर सेवारत अभ्यर्थियों से भरी जाएगी.

(4) संबंधित श्रेणी में विकलांग अभ्यर्थी उपलब्ध न होने की दशा में खाली स्थान (सीट) उसी श्रेणी के ओपन अभ्यर्थियों से भरे जाएंगे.

(5) आरक्षित वर्ग के सभी अभ्यर्थियों को स्क्रूटनी के समय सत्र 2012-13 का आय प्रमाण-पत्र, प्रस्तुत करना अनिवार्य होगा. मध्यप्रदेश शासन, सामान्य प्रशासन विभाग के परिपत्र क्रमांक सी-3-11-1-3-2010, दिनांक 7 सितम्बर 2010 के द्वारा संबंधित तहसीलदार/नायब तहसीलदार को उनके प्रभार क्षेत्र के अन्तर्गत आय प्रमाण-पत्र जारी किये जाने हेतु अधिकृत किया गया है.

(6) **अखिल भारतीय कोटा.**—राज्य के लिये उपलब्ध अखिल भारतीय कोटा के डिग्री तथा डिप्लोमा पाठ्यक्रम के अलग-अलग उपलब्ध स्थानों की संख्या को समस्त प्रवर्गों अर्थात् सेवारत और ओपन प्रवर्गों में उसी अनुपात में वितरित किया जायेगा जो म. प्र. शासन की आरक्षण नीति अनुसार राज्य कोटा के स्थानों के लिए विहित है तथा इन सीटों को रेंडम सिलेक्शन द्वारा वितरित किया जावेगा, किसी प्रवर्ग को स्थानों (सीट्स) की संख्या के संबंध में विवाद की दशा में उच्चतम फ्रेक्शन का विचार किया जाएगा तथा उसे अधिमान दिया जाएगा.

(7) किसी भी अभ्यर्थी को एक बार सीट व कालेज आवंटित किये जाने के पश्चात् पुर्न आवंटन की पात्रता उसके मेरिट के अनुसार होगी:—

इसके लिये अभ्यर्थी को प्रथम आवंटन के अनुसार निर्धारित तिथि तक संबंधित कालेज में शुल्क जमा करके संबंधित चिकित्सा महाविद्यालय में अंतिम तिथि तक प्रवेश की प्रक्रिया पूर्ण करना होगी.

17. **प्रवेश.**—किसी अभ्यर्थी का किसी विषय, पाठ्यक्रम या किसी महाविद्यालय में काउंसलिंग द्वारा आवंटन हो जाने के फलस्वरूप वह महाविद्यालय के डीन/प्राचार्य को अधिसूचित तारीख तथा समय पर रिपोर्ट करेगा.—

(1) डीन/प्राचार्य, दो प्रोफेसर तथा आरक्षित प्रवर्ग के कम से कम दो चिकित्सा शिक्षकों से मिलकर बनने वाली प्रवेश समिति भी मूल दस्तावेजों का सत्यापन करेगी तथा यदि पात्र पाए जाएं, तो अभ्यर्थी को आवंटित विषय, पाठ्यक्रम तथा महाविद्यालय में प्रवेश देगी.

(2) एक बार अखिल भारतीय अथवा राज्य कोटे के अन्तर्गत प्रवेश हो जाने पर समस्त मूल प्रमाण-पत्र महाविद्यालय द्वारा रखे जाएंगे तथा इस आशय का एक प्रमाण-पत्र महाविद्यालय प्रशासन द्वारा अभ्यर्थी को जारी किया जाएगा.

(3) मूल दस्तावेज अध्ययन अवधि पूर्ण करने अथवा पाठ्यक्रम की सीट तथा महाविद्यालय से किसी भी कारण से त्याग-पत्र देने अथवा छोड़ने पर ही लौटाये जाएंगे. स्टेट कोटे पर प्रवेशित छात्रों को ग्रामीण सेवा का बंधपत्र पूर्ण करने अथवा बंध राशि जमा कर संचालक, लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग से अनापत्ति प्रमाण-पत्र प्रस्तुत करने पर ही मूल दस्तावेज लौटाये जाएंगे.

(4) उम्मीदवार को एक बार किसी विशिष्ठ विषय, पाठ्यक्रम/श्रेणी एवं महाविद्यालय में प्रवेश दिये जाने के बाद किसी भी आधार पर उसमें कोई परिवर्तन की पात्रता नहीं होगी.

(5) माननीय सर्वोच्च न्यायालय द्वारा पारित निर्णय दिनांक 11-9-2002 एम. सी. आई. विरुद्ध मधु सिंह एवं अन्य में अधिकथित निदेशों के अनुक्रम में एम. सी. आई. द्वारा जारी दिशा-निर्देशों के अनुसार 31 मई 2013 के पश्चात् किसी भी छात्र को पी. जी. पाठ्यक्रम/विषय/महाविद्यालय में प्रवेश नहीं दिया जायेगा. **माननीय सर्वोच्च न्यायालय द्वारा अन्य कोई निर्देश अथवा निर्णय पारित किये जाने पर तद्नुसार कार्यवाही सुनिश्चित की जावेगी.**

(6) जो अभ्यर्थी अंतिम तिथि तक प्रवेश प्राप्त नहीं करता है, प्रवेश लेने के बाद स्थान छोड़ देता है/प्रवेश प्राप्त कर संस्था प्रमुख की बिना अनुमति के निरंतर 15 दिवस की कालावधि के लिए अनुपस्थित रहता है तो उसका दावा समपहृत हो जाएगा तथा उसे दिया गया आवंटन/प्रवेश रद्द कर दिया गया समझा जाएगा.

18. **नियमों का स्पष्टीकरण.**—किसी नियम तथा प्रवेश के लिए किसी प्रक्रिया को संशोधित करने का अधिकार राज्य सरकार अपने पास आरक्षित रखती है. इन नियमों के निर्वचन तथा उनके संशोधनों से संबंधित किसी विवाद की दशा में, राज्य सरकार का विनिश्चय अंतिम होगा तथा सभी संबंधितों पर आबद्धकर होगा.

19. **निरसन तथा व्यावृत्ति.**—मध्यप्रदेश चिकित्सा तथा दन्त चिकित्सा स्नातकोत्तर (पाठ्यक्रम) प्रवेश परीक्षा नियम, 2012 एतद्द्वारा निरसित किए जाते हैं. परन्तु इस प्रकार निरसित किए गए नियमों के अधीन किए गए किसी आदेश या की गई किसी कार्रवाई के संबंध में यह समझा जाएगा कि वह इन नियमों के तत्स्थानी उपबंधों के अधीन किया गया है या की गई है.

No. F 5-326-2012-1-LV.—The State Government hereby makes the following rules relating to entrance to Post Graduate Medical (MD & MS) course, Post Graduate Diploma and Dental (MDS) courses in Medical and Dental Colleges in the State of Madhya Pradesh.

RULES

1. **Short Title and Commencement.**—(1) These rules may be called the (Madhya Pradesh Medical and Dental Post Graduate Course Entrance Examination Rules, 2013).

(2) They shall come into force from the date of their publication in the Madhya Pradesh Gazette and shall remain in force for the Academic year 2013-14.

2. **Definitions.—**In these rules, unless the context otherwise requires—

(a) "NEET" means the National Eligibility cum Entrance Test;

(b) "College" means a Government/Autonomous Medical **or** a Dental College under the State Government;

(c) "Examination" means the Entrance Examination conducted by National Board of Examination, New Delhi, 2013-14;

(d) "In-Service Candidate" means, Medical Officer of the Government of Madhya Pradesh, who is serving under the Government of Madhya Pradesh on regular or contract basis;

(e) "Demonstrator" means demonstrator working under Govt. of M.P. Medical Education Deptt. in Govt./autonomous institution;

(f) "Other Backward Classes"(means Other Backward Classes as specified and laid down by the Government of Madhya Pradesh);

(g) "Rural Area" means the area other than Municipal Corporation area and Municipal Council area;

(h) Notified area means : any areas situated in the M.P. State notified 89 Tribal sub planning development blocks;

(i) "Scheduled Castes" means Scheduled castes as specified and laid down by the Government of Madhya Pradesh;

(j) "Scheduled Tribes" means Scheduled Tribes as specified and laid down by the Government of Madhya Pradesh;

(k) "Selected Candidate" means a candidate who has been allotted a seat consequent upon counselling in 2013-14 and who has been issued an allotment letter;

(l) " State Government" means Government of Madhya Pradesh;

(m) "Tribal Area" means area under tribal sub plan;

(n) "MCI" means Medical Council of India;

(o) "DCI" means Dental Council of India;

3. **General.**—(1) PG Degree and Diploma courses will be governed and regulated by MCI / DCI / University / State Government / Government of India / Autonomous Society of the College under the rules and regulations in force as amended from time to time at the time of entrance examination, allotment, admission, as the case may be.

(2) PG courses are full time courses for a period of three years in case of degree and two years in case of diploma from the date of admission. Students shall not be allowed to do private practice, part time job or any other job during the entire period of study.

(3) Correct information must be furnished and produced whenever required. Before filling up the application form, candidates are advised to read and understand the rules thoroughly and fill up complete and correct required information and enclose required documents, failing which the applicants shall not be entitled to entrance examination, allotment and admission etc.

(4) The candidate are instructed to produce the same photograph at the time of admission which has been attached to online NEET application form submitted to NBE 2013.

(5) At the time of registration, candidate should furnish correct information. The candidate should put his full and same signature at the time of entrance examination, scrutiny and at the time of admission in the allotted college, If the signature differs. The candidate will not have any right for allotment of seat / admission.

(6) If it is found that a candidate has hidden any relevant facts and / or provided incorrect information while filling up the application form at the time of allotment of a seat, at the time of scrutiny of the documents and at the time of his / her admission, then the admission shall be cancelled by the Dean / Principal of the College at any time during his/her studies.

4. **(1) The Students shall be entitled to (Including In-Service Candidates/Demonstrator).—**

(a) One weekly off (non cumulative);

(b) Casual leave for 19 days per academic year;

(c) Entitlement of Maternity leave without stipend during the entire tenure shall be 90 days with prior permission of the Dean/Principal. Medical certificate must be produced within ten days of proceeding on leave.

(2) As per Madhya Pradesh Government Medical Education Department order No. 147-4572-03-55-LV-M.E.-1, Dated 14 January 2004 Medical leave shall be 15 days per year without stipend with prior permission. Sickness Certificate has to be produced within 10 days after proceeding on leave. This leave can be taken every year, but it will not be cumulative.

5. Students found guilty of misconduct, indiscipline and absence shall be liable to disciplinary action including expulsion from College by the Dean / Principal and cancellation of registration by the University.

6. All the Post Graduate degree and diploma seats recognised by MCI New Delhi has been distributed subject wise, course wise and college-wise will be made available at the time of counselling.

7. RESERVATION :—20% Seats are reserved for candidates belonging to Scheduled tribe, 16% seats are reserved for candidates belonging to Scheduled caste and 14% seats are reserved for candidates belonging to other Backward Classes other than creamy layer of Other Backward Classes of Madhya Pradesh or as amended from time to time—

(1) Reservation for woman candidates shall be 30% according to merit cum option in each category.

(2) The candidate claiming to be a candidate belonging to Scheduled castes/ Scheduled Tribes / Other Backward Classes category of Madhya Pradesh shall have to attach a valid certified copy of certificate issued by the Competent Authority of Government of Madhya Pradesh with the application form and the Permanent original certificate has to be produced at the time of counselling. The Caste certificate should bear issue No., Dispatch no., date and seal of the issuing officer else it will Not be accepted. He/She will not be Eligible for reservation if fails to produce the permanent caste certificate . The sole responsibility will be of the candidate.

(3) For Physically Handicapped persons who are bonafide residents of Madhya Pradesh and who belong to Scheduled caste/ Scheduled Tribe / Other Backward Classes and Unreserved category, three percent (3%) seats are reserved for admission to P.G. courses will be made available at the time of counselling. Vide MCI order No. सं. भा. आ. प. 34 (41) 2008-med/54463 dated 25 March,2009, The seats shall be filled first by candidates with locomotor disability of lower limbs between 50-70% provided that in case seats remained unfilled on account of unavailability of candidate with locomotor disability of lower limbs between 50% to 70% than any such unfilled seat shall be filled by candidate with locomotor disability of lower limbs between 40% to less than 50%.

In Case eligible Physically Handicapped candidates are not available, the vacant seats will be filled by candidates of that category.

The candidate claiming admission against these seats will have to produce valid certificate, in the prescribed form, District Medical Board and eligibility certificate from superintendent vocational Rehabilitation Centre for Physically Handicapped, Government of India, Ministry of Labour, Napier Town, Jabalpur. both the certificates are necessarily to be presented in original. Non production of both the certificates at the time of scrutiny will disqualify a candidate for admission. The eligibility certificate should not have been issued more than 3 months before the date of counselling. After registration on the basis of 50% to 70% disability and 40% and less than 50% separate merit lists shall be prepared by M.P.Online after approval of DME, based on which the seats in handicapped quota will be allotted. In case of two candidates obtaining equal marks, the inter-se-merit will be decided by giving weightage to the age of the candidate.

Following disabilities are not eligible as per MCI guidelines—

1. Upper limb Handicapped
2. Visual Handicapped
3. Hearing Handicapped
4. Lower limb more than 70% Handicapped

(4) In PG Degree and Diploma Courses of seats are reserved for In- service Medical officers of any Department of the Government of Madhya Pradesh will be made available at the time of counselling.

8. **Selection Criteria (In Service Candidate).**—Selection process and conditions for P.G. degree and diploma courses for In-service candidates will be as under :—

(1) **Medical Officer.**—(a) Only those candidates, who are working as Medical Officers in the Department of Public Health & Family Welfare, Govt. of M.P. & who have completed 3 years of rural service on 30th April of year of admission as Medical Officer, or a candidate who is working consecutively as contractual/RCH/NRHM other any other programme medical officer in Department of Public Health & Family Welfare, Govt. of M.P. and has completed 3 years of rural notified area service will be eligible as In-service candidate.

(a-1) Inservice candidates and candidates working on contractual basis as above, will have to execute a bond for serving in DHS for 5 years after completing degree and for 3 years after completing diploma worth Rs. 10.00 lac for degree and Rs. 8.00 lac for diploma.

(a-2) Only regular inservice candidates will be considered as sponsored candidates and will get salary from DHS. Sponsorship mean considering inservice candidate doing service, the salary will be paid. This sponsorship shall not be for tuition fee or any other benefit.

(a-3) The 3 years period of required service of candidate, while posted in rural area /notified area and if he/ she was on unauthorized absence from duty/ any dies-non period / any period of leave without pay /any period on training exceeding 3 months/ attachment in urban area during the tenure of rural service will not be counted for the purpose of calculation of 3 years of service.

(b) Other in-services candidates who have completed 5 years of service by 30 April, 2013 will be eligible. Such candidate will have to execute a bond for serving the State Govt. in the notified rural areas for at least 01 year, after completing Post Graduate degree and 01 year for diploma course. As per Government Instruction the bond is Rs.10.00 Lac. for post graduate degree and Rs.8.00 Lac. for Post Graduate Diploma course.

(c) The Maximum age limit for the selection of In-service male candidates will be 45 years and for female candidates max. 50 years on 30th April of the year of admission.

(d) The contractual candidates working in rural/notified areas will be given benefit of inservice quota by D.G.H.S. only once during their service period, inspite of obtaining degree/diploma by him/ her before joining the service.

(2) **Demonstators.**—(a) Six seats are reserved for Demonstrator working in Govt./Autonomous medical colleges will be made available at the time of counselling. Demonstrator who have completed five years of regular service are eligible. They have to submit NOC from their employer at the time of scrutiny and they have to execute a bond of Rs. 10.00 lac to serve the medical education department for five years after completing P.G. course compulsorily. The decision of medical education department to decide the post & place of posting will be final. The Medical Education department reserves all the rights related to posting of promotion. The candidate has no rights to apply for posting/promotion as per his/her choice.

(b) The maximum age limit for the selection of demonstrators should not be more than 45 years on 30th April of the year of admission.

9. **Examination and Merit list.**—(1) The merit list for admission in P.G.Courses declared by NEB will be considered.

(2) Candidates can give option in their registration form for admission in either Govt. Autonomous college or private medical/dental college. The option may be given as below:—

(a) Autonomous Medical/Dental College

(b) Private Medical/Dental College

(c) Both of them as above

(3) In-service candidates/ Demonstrators will be selected on the basis of NEET 2013. In-service candidates/ Demonstrators shall have to secure minimum qualifying marks in the Pre-PG NEET as prescribed in these rules for admission. The eligibility and separate merit list of successful in-service candidates/ Demonstrators will be prepared after registration.

(4) **Demonstrators.**—There is no provision of giving marks for service separately on the basis of marks obtained in NEET P.G. the separate category will merit list will be declared by Director Medical Education for counselling.

(5) After last day of registration the list of inservice candidates will sent to Commissioner Health Services. After adding the marks inservice as given below the final merit list will be prepared by Commissioner Health and handed over to Director Medical Education. For preparing the final merit list of inservice candidates, the calculation of additional marks will be done as follows.

(5.1) **Medical Officers.**—The inter-se merit of the successful In service candidate shall be fixed up by adding marks of weightage for their services rendered in rural areas. The candidates serving in rural area will get maximum of 50 marks, allotted on the following basis:—

(a) For Government service of one year duration while posted in rural area a weightage of maximum 06 marks will be given . For the service in rural area , the maximum gain of marks will be 30 or 20 as per following marks for one year each, for five years :—

If such services are rendered in Primary Health Centre or Community Health Centre situated in rural area, then 06 marks will be given for one year and if regular services are rendered in Primary Health Centre or Community Health Centre in Nagar Panchayat Area, which has been formed under the "Municipalities Act, 1961"then 04 marks will be given for one year.

(b) For every year of such service, additional marks will be given , if the rural area comes under tribal sub plan and if such services are rendered in Primary Health Centre the candidate will get maximum 20 additional marks at the rate of 04 additional marks per year for five years and for rendering such services at community health center, the candidate will get total additional 10 marks at the rate of 02 marks per year for five years.

(b.1) For service rendered in rural areas/notified areas by female inservice candidates two additional marks will be given for each year of service.

(c) For the purpose of this rule, the period of service of candidate while posted in rural area are notified area and if he/she was on unauthorised absence from duty/any dies-non period/any period of leave without pay/any period of training exceeding three months/attachment in urban area during the tenure of rural service will not be counted for the purpose of calculation of marks for weightage of rural service.

(d) The final merit list of inservice candidates will be prepared on the basis of marks obtain in entrance examination and marks secured for weightage of rural/tribal area service (Equivalent to maximum 50 marks) given by Director of Health Services.

(e) In case of two or more candidates obtaining equal marks, the inter-se merit will be decided as per procedure described in sub- rule (2) of rule 19.

(f) The counselling of In- service candidates will be done by the Medical Education Department.

(6) Other departments shall send the name of the in-service Medical officers with the departmental remarks to the commissioner Health services Govt. of M.P. Commissioner Health services will add the names of these applicants to the list of in service candidates and will send it the Director Medical Education.

(7) **Scrutiny of Documents**.—All the inservice candidates/Demonstrator have to produce their documents in the desired formate to the scrutiny committee. At the time of scrutiny inservice candidates/demonstrator have to produce no objection certificate and at the time of admission sporsorship certificate from the employer.

10. **Return to the Department after completing the course.**—The normal term for PG degree is 36 months and for Post Graduate diploma is 24 months. Candidates completing the tenure will have to go back to their Parent department irrespective of their status of the examination whether they have passed or not. No extension to continue the studies shall be granted under any circumstances.

11. **Fee, Bond etc**.—Selected candidates except In-service/Demonstrator, non-service candidates will have to submit a Bond as per Government instructions i.e. Rs.10.00 Lac. for postgraduate degree and Rs.8.00 Lac. for Diploma courses for serving under the State Government for 1 years after completing PG degree / Diploma Course. All Deans of autonomous colleges will provide the list, to the Commissioner, Health Services, of candidates who are appearing for University exams from their institute at least three months before the start of examination. They will also provide list of successful PG candidates. The Commissioner, Health Services will issue appointment orders to such successful candidates within three months after declaration of the result, failing which the Bond filled by candidate will automatically be deemed as cancelled.

However, such Doctors will have to work under the State Govt. as directed.

However as per order no. F-4-7/2010/1/55 dt. 28-8-2010 Ministry of Medical Education Govt. of M.P., the U.G./P.G. student who have been selected in autonomous Dental/Medical colleges on the post of Asstt. Prof/ S.R./J.R./Demonstrator , will be exempted from the rural service bond /notified areas service bond, on the condition that they will serve the institution in which posted for the duration equivalent to the bond period. Candidate leaving the job before completion of above duration will have to serve in Rural/Tribal Area for remaining period.

12. **Fee Structure.**—Every Candidate including In-Service/Demonstrator Candidates shall have to pay regular fee as detailed below :—

1.	TUITION FEE (Degree)	Rs. 35,000/- Per Annum.
2.	TUITION FEE (Diploma)	Rs. 35,000/- Per Annum.
3.	HOSTEL FEE	Rs. 10,000/- Per Annum.
4.	STUDENT FUND	Rs. 500/- Per Annum.
5.	CAUTION MONEY (Refundable)	Rs. 3,000/-
6.	SECURITY DEPOSIT (Refundable)	Rs. 10,000-

12.1 **Fees refund.**—Student admitted through All India Quota or State Quota and who submits in writing for leaving that seat to his respective college authority before Seven days of last Counselling of State Quota shall be refunded the deposited fees after deducting 10% of the fees. No application for such refund will be considered after that period & the deposited fees will not be refundable. (This scheme will be equally applicable to the candidates taking admission within the state as well as outside the state.) The candidate taking reallocation of seat through the entrance examination & counselling of State Govt. will be entitled for transfer of fee from one institution to another.

13. **Security deposit.**—(1) Candidate will deposit Rs. 10,000 as security deposit in the form of a demand draft payable to Director, Medical Education, Madhya Pradesh, Bhopal during scrutiny:

Provided that a candidate who belongs to Scheduled Caste / Scheduled Tribe category whose parents / Guardians income does not exceed Rs. 3.00 lacs per annum from all sources shall not make any security deposit. Provided that other Scheduled Caste / Scheduled Tribe candidates, whose parents/guardians income exceeds Rs. 3.00 lac per annum from all sources and all candidates belonging to Other Backward Classes category shall be required to deposit only Rs. 2,000/- as security deposit.

(2) The amount of security deposit shall be refundable without interest after successful completion of the course. In case a candidate does not join the allotted course, subject and institution or discontinues the study in a course and leaves college before completion of the course due to any reason, his/her claims on security deposit shall be forfeited.

14. **Eligibility.**— (1) The Candidate must be a bonafide resident of Madhya Pradesh.

Any one of the following conditions will be deemed to be included as bonafide resident of Madhya Pradesh :—

1.1 Living in M.P. countinously since not less then 15 years.

1.2 Living in M.P. countinously since last 10 years and having immovable property in Madhya Pradesh./Industry/ Business in M.P.

1.3 An employee/retired employee of Govt. of M.P.

1.4 An employee/retired employee of a Institution/ Corporation/ Board/ Commission under Govt. of M. P.

1.5 An employee of Government of India who is posted in Madhya Pradesh since last 10 years.

1.6 An officer of All India services belonging M.P. cadre.

1.7 A person appointed in Madhya Pradesh by Hon'ble President of India/ Hon'ble Governer of M.P. on Constitutional/Legal post.

1.8 The candidate must have passed all MBBS/BDS examinations from Medical / Dental College of Madhya Pradesh.

1.9 The candidates who are bonafide residents of Madhya Pradesh but they have passed M.B.B.S. course from outside M.P. should be recognized by Medical Council of India, New Delhi. This will also be applicable to those candidates to be selected for Master of Dental Surgery course.

1.10 Medical officers nominated by any Department of the Government of Madhya Pradesh (In -service candidates).

1.11 Demonstrator working in Govt. Autonomous institution under Deptt.of Medical Education M.P.

(2) All P.G. Medical students should be registered with M.P. State Medical Council to practice in the State of Madhya Pradesh.

(2.1) Selected candidates who are not registered with M.P. State Medical Council must submit a copy of receipt of M.P. Medical Council registration fee & application within one month of allotment of P.G. seat.

(2.2) Candidate should have completed compulsory internship from M.C.I. / D.C.I. recognized institution on or before 31st March, 2013.

(3) No candidate including In-service candidate/Demonstrator will be entitled for doing post graduation for a period of 3 years, if a seat was allotted to him/her through All India or State Pre P.G. Entrance Examination and he/she did not join or joined and left the seat thereafter, due to any reason during the last three years preceding 2012. In addition, a candidate who has obtained Post Graduate degree/diploma will not be eligible to appear in the P.G. entrance examination for three/two years from the date of completion of such course.

(4) Such candidates who have been given admission through All India Quota in P.G.Courses in M.P. State on the basis of their All India merit in NEET P.G. 2013 & have also been selected in NEET P.G. 2013 merit list for M.P.State shall also be eligible to participate in M.P.State counselling. But the candidate will have to vacate the All India seat if he/she opts for M.P.State seat.

Note.—Vide Govt. of Madhya Pradesh, Medical Education Department order No. F-5-15/03/55/ME/1 dated 26 December 2003 the bonded student admitted to MBBS course who have qualified in NEET 2013-14 have to produce no objection certificate from Director of Health Services /Director of Medical Education than only they will be given admission in P.G. courses.

15. **Merit List :**—Separate merit for In-service(medical officer)/demonstrator and non service (Open) candidates will be declared after approval of DME.—

(1) A merit list of Un reserved non service (Open)category shall be declared which shall be consist of all successful candidates as per NEET Pre P.G. declared results.

(2) The separate merit list of all non service (Open) reserved category (Scheduled Caste/Scheduled Tribe /Other Backward Classes) will be declared as per the NEET Pre.P.G. delcared results.

(3) In all the non service (Open) category wise list the physically handicapped candidate will also be included according to their merit.

(4) The list of physically handicapped candidate will also be prepared category wise as per their merit.

(5) There will be no waiting list.

(6) Separate merit list as above para 1-5 category wise shall be made of in-service candidates after adding the qualifying marks scored in NEET P.G. 2013 common entrance test and marks allotted by the Director of Health Services. Counselling will be done on the basis of final merit list of in-service candidates.

(7) Merit list of the Demonstrator will be prepared separately.

16. **Counselling.**— (1) The Counselling will be done online and the Programme for counselling will be published separately.

(2) Inservice (Medical Officer) & Demonstrator will only eligible to the his/her seat from their own category.

(3) Seats remaining vacant after counselling (allotment) of In-service/Demonstrator candidates shall be made available to non service (open) candidates category wise.

(4) in case of eligible physically handicapped candidates are not available the vacant seats will be filled by candidates of that category.

(5) All reserved category candidates has to compulsorily produce latest income certificate at the time of scrutiny. Government of M.P. general administration department circular number C/3-11/1/3/2010 dated 7 September 2011 has authorised Tahsildar/Naib Tahsildar to issue income certificate under their area.

(6) The number of seats available to the State from All India quota (Degree & Diploma course separately) will be distributed in all the categories in service and open category in the same ratio, as prescribed for State Quota seats and these seats will be distributed to a subject, course and college, which will be decided by random selection.

In case of any dispute regarding the number of seats to be added to a category the highest fraction shall be taken into consideration and shall be given preference.

(7) Once allotted the seat and college, the candidate will be eligible for Re-allotment according to his/her merit as according to first allotment the candidate has to deposit the fees in the concerned college within the given last date and has to complete the formalities of admission.

17. **Adimission .**—Consequent upon a candidate's allotment for a subject, course and a college by counselling, he/she shall report on the notified date and time to the Dean / Principal of the College concerned—

(1) The admission committee consisting of Dean / Principal, two Professors and at least two Medical teachers belonging to reserved category shall also verify the original documents and if found eligible, shall give admission in a subject, course and the college allotted to the candidate.

(2) Once admitted either through All India or State quota, all original certificates shall be kept by the college and a certificate to that effect will be issued to the candidate by the college authorities.

(3) Original documents shall be returned to the candidates only on completion of their tenure or their resignation or leaving from the seat of the course and the college due to any reason. The original documents will be returned to the candidates, admitted on state quota seats only on full filling the bond of rural service or after depositing bond money and getting no objection certificate from department of public health & family welfare deptt.

(4) A candidate so admitted to a particular subject, course/category and college will not be entitled for any change on any ground.

(5) No admission in P.G. course/subject/college will be made after 31 May 2013 as per guidelines issued by MCI in pursuance of direction laid down by Hon'ble Supreme Court Judgment dated 11 September 2002 MCI Vs. Madhu Singh & Ors.

The action will be taken according to the direction or order issued by Hon'ble Supreme Court.

(6) The claim of the candidates, who do not joined by the last date of joining / joined and left / joined and remained absent for a period of continuous fifteen days without prior permission of the Head of th institution, shall be forfeited and allotment / admission given shall be deemed to have been cancelled.

18. **Explanation of Rules .**—The State Government reserves the right to amend any rule and procedure for admission. In case of any dispute related to the interpretation of these rules and amendments relating to them, the decision of the State Government shall be final and binding on all concerned.

19. **Repeal and Saving .**—The Madhya Pradesh Medical and Dental Post-Gradate Courses Entrance Examination Rules, 2012 are hereby repealed :

Provided that any order made or action taken under these rules so repealed shall be deemed to have been made or taken under the corresponding provisions of these rules.

मध्यप्रदेश के राज्यपाल के नाम से तथा आदेशानुसार,
एस. एस. कुमरे, उपसचिव.

PRE-PG-2013

ALL INDIA COMMON ADMISSION TEST
FOR
ADMISSION TO POST GRADUATION IN
PRIVATE DENTAL AND MEDICAL COLLEGES
OF MADHYA PRADESH

BY

DEPARTMENT OF MEDICAL EDUCATION
GOVERNMENT OF MADHYA PRADESH ,
BHOPAL (M.P.)

DIRECTORATE OF MEDICAL EDUCATION
6TH FLOOR, SATPURA BHAWAN,BHOPAL
MADHYA PRADESH
TEL- O755-2551719, 2550186
FAX-0755-2551719
Website- www.medicaleducation.mp.gov.in

Bhopal, the 21st May 2013

No. F5-326-2012-1-LV.—The State Government, hereby, makes the following rules relating to entrance to Post Graduate Medical (MD & MS) Course, Post Graduate Medical Diploma and Post Graduate Dental (MDS) Course in Private Unaided Medical and Dental Colleges in the State of Madhya Pradesh. These rules are subject to the final order to be passed by the Hon'ble Supreme Court in SLP (Civil) 13111/09 and other similar petitions which are under adjudication.

RULES

1. **Short title and Commencement.**— (1) These rules may be called the "Madhya Pradesh Private Medical and Dental Post Graduate Course Entrance Examination Rules, 2013".

(2) They shall come into force from the date of their publication in the Madhya Pradesh Gazette and shall remain in force for the academic year 2013-14.

2. **Definitmons.**—In these rules, unless the context otherwise requires,—

(a) "Act" means Madhya Pradesh Niji Vyavsayik Shikshan Sanstha (Pravesh Ka Viniyaman Avam Shulk Ka Nirdharan) Adhiniyam, 2007 (No. 21 of 2007);

(b) "NEET" means the National Eligibility cum Entrance Test;

(c) "College" means **Private** Medical **or** a Dental College in the State of Madhya Pradesh;

(d) "Examination" means the NEET PG conducted by the National Board of Examination, New Delhi;

(e) "Other Backward Classes" means Other Backward Classes as specified and laid down by the Government of Madhya Pradesh;

(f) "Scheduled Castes" means Scheduled castes as specified and laid down by the Government of Madhya Pradesh;

(g) "Scheduled Tribes" means Scheduled Tribes as specified and laid down by the Government of Madhya Pradesh;

(h) "Government" means Government of Madhya Pradesh;

(i) "MCI" means Medical Council of India;

(j) "DCI" means Dental Council of India;

(k) "Admission and Fee Regulatory Committee" means the Committee constituted by the State Government under the Act for the supervision and guidance of admission process and for the fixation of fee to be charged from candidates seeking admission in a professional educational institution;

(l) "Competent Authority" means any Authority as authorized by the State Government in this behalf:

(m) "NRI" means Non-resident Indian shall have the same meaning as assigned to it in clause (e) or Section 115 C of the of Income Tax Act, 1961 (43 of 1961).

3. **General.**—(1) PG Degree and Diploma courses will be governed and regulated by MCI / DCI/ University / State Government / Government of India / College under the rules and regulations in force as amended from time to time at the time of entrance examination, allotment, admission, as the case may be;

(2) PG courses are full time courses for a period of three years in case of Degree and two years in case of Diploma from the date of admission. Students shall not be allowed to do private practice, part time job or any other job during the entire period of study.

(3) Correct information must be furnished and produced by the candidate whenever required. Before filling up the Online Registration form, candidates are advised to read and understand the rules thoroughly and fill up complete and correct required information and enclose required documents, failing which the applicants shall not be entitled to allotment and admission etc.

(4) Candidates must bring his/her, same photographs at the time of admission, which he/she had attached along with his/her, NEET Application Form.

(5) If it is found that a candidate has hidden any relevant facts and / or provided incorrect information while filling up the online registration form, at the time of allotment of a seat, at the time of scrutiny of the documents or at the time of his / her admission, then the admission shall be cancelled by the Dean / Principal of the College at any time during the course of his/her studies.

(6) All dispute related to admission to PG Courses shall be decided by the Director, Medical Education, Govt. of M.P.

4. (1) **The Students shall be entitled to :—**

(a) One weekly off (non cumulative);

(b) Casual leave for 19 days per academic year;

(c) Entitlement of Maternity leave without stipend during theentire tenure shall be 90 days only with prior permission of the Dean/Principal. Medical certificate must be produced within ten days of proceeding on leave.

(2) As per Madhya Pradesh Government order No.147/4572/03/LV/M.E.-1, Dated 14th January 2004 Medical leave shall be 15 days per year without stipend with prior permission. Sickness Certificate has to be produced within 10 days after proceeding on leave. Medical leave can be availed every year and no carry forward of this leave will be allowed. (Non Cumulative)

(3) Students found guilty of misconduct, indiscipline and unauthorized absence shall be liable to disciplinary action including expulsion from College by the Dean / Principal and cancellation of registration by the University.

5. **Reservation .**—Institution shall be allowed to fill up to 15% of the sanctioned seats by NRI candidates only, in the manner prescribed by the admission and Fee Regulatory Committee before the Counselling.

As permitted by Hon'ble Supreme Court vide order dated 1st October 2012 & Petition No. 4060/2009 dated 27th May 2009 50% of remaining 85% seats will be filled by Govt. of M.P. on the basis of merit list declared by NEET exam. conducted by National Board of Examination, New Delhi.

Out of above Govt. of M.P. quota seats 20% Seats are reserved for candidates belonging to Scheduled tribes of M.P. 16% seats are reserved for candidates belonging to Scheduled castes of M.P. and 14% seats are reserved for candidates belonging to other backward classes other than creamy layer of OBC of Madhya Pradesh or as amended from time to time.—

(1) Reservation for woman candidates shall be 30% according to merit cum option in each category.

(2) The minimum percentile of marks in NEET examination for eligibility for admission to Post Graduate Medical and Dental courses shall be 40% for SC / ST / OBC candidates and 50% for unreserved category candidates.

(3) The candidate claiming to be a candidate belonging to SC / ST / OBC (Non Creamy) category of Madhya Pradesh shall have to fill up all details of permanent caste certificate issued by the Competent Authority of M.P. Govt. in the online registration form and the original certificate has to be produced at the time of Scrutiny.

(4) For Physically Handicapped **persons** who are bonafide residents of Madhya Pradesh **and who** belongs to ST, SC, OBC and Unreserved category, three percent (3%) seats are reserved for admission to P.G. courses.

The candidate claiming admission against these seats will have to produce a valid certificate, in the prescribed form from District Medical Board and eligibility certificate from superintendent vocational Rehabilitation Centre for Physically Handicapped, Government of India, Ministry of Labour, Napier Town, Jabalpur. However it will be governed by guideline framed by MCI. After online registration separate merit lists will be prepared for handicap candidates with 50-70% of disability of candidates 40 to below 50% of disability of lower limb. Priority will be given in the seat allotment to the candidate to having 50-70% disability to lower limb as per MCI guide lines.

Following disabilities are not eligible—

1. Upper limb Handicapped
2. Visual Handicapped
3. Hearing Handicapped
4. Lower limb more than 70% Handicapped

6. **Fee Structure** .—(a) For MDS Courses
As will be decided by Fee regulatory Committee

(b) For MD/MS/ Courses
As will be decided by Fee regulatory Committee.

7. **Security Deposit.—**
As will be decided by Fee regulatory Committee

8. **Eligibility :**

(1) The Candidate must be citizen of India

And

The candidate must have passed all MBBS/BDS Examinations from any recognized Medical / Dental College of India.

(2) (i) Eligible Candidate must have undertaken studies in an institution recognized by MCI / DCI.

(ii) Eligible Candidate must have completed compulsory internship from a MCI/ DCI recognized institution on or before 31st March 2013.

(iii) Eligible Candidate must permanently be registered by Madhya Pradesh Medical/Dental Council (and /or MCI/DCI) before joining the allotted college.

(3) Seats reserved for SC,ST,OBC Category candidates shall be allotted to the eligibible reserved category candidates (SC.ST & OBC) of M.P. State only on the basis of merit, on submission of permanent caste certificate issued by the competent authority of M.P.Govt.

9. **Examination.**—(1) NEET P.G. 2013 conducted by National Board of Examination, New Delhi shall be the basis for admission into Private Medical/ Dental Colleges of the State.

(2) A candidate has to give option at the time of online registration for (A) Autonomous Medical /Dental College (B) Private Medical/ Dental College (C) both, in case of candidate who are eligible for both.

10. **Admission to PG Dental Degree Courses.**—(1) Neet PG 2013 conducted by the National Board of Examination, New Delhi shall be the basis for admission to Pvt. Dental College of the State.

Seats Available for MD/MS/MDS.—The distribution of seats for MDS/MD/MS/ Courses to be filled through NEET PG 2013 will be displayed at the time of counselling subject to permission by DCI/MCI/Government of India.

11. **Declaration of Result.**—The National Board of Examination, New Delhi will conduct the examination, evaluate the answer sheets, prepare the merit list and declare the result. The allotment of a seat to eligible candidate in subject / course / college will be done by online counselling on merit cum option basis. Counselling will be done by online counselling through M.P. Online.

12. (1) **Merit List :—**

(a) A merit list will be declared which will consist of all successful candidates of Un reserved category and reserved category in NEET PG 2013 exam.

(b) There will be a separate merit list inclusive of all category (UR/ST/SC/OBC) candidates including physically handicapped. In all the category wise lists physically handicapped, will also be included according to their merit.

(c) Merit lists of physically handicapped candidates will also be prepared category wise separetly according to rule 5 (4).

(d) There will be no Waiting List.

13. **Counselling.**—(1) The allotment of seats shall be made to the candidates through online counselling. The rules & programme of Counselling will be declared seperately.

(2) The programme for counselling will be advertised in the leading newspapers of the State.

(10) (a) **The candidate of reserve category has to produce permanent caste certificate issued by Competent Authority of Govt. of M.P. in the prescribed Performa. In case of failure to do so the candidate will not be eligible for reservation. The candidate will be responsible for this lapse. Temporary cast certificate and cast certificate with expiry date will not be accepted.**

(b) **The candidate of reserve category shall have to produce income certificate of the current year 2012-13 compulsorily at the time of counselling.**

14. **Admission.**—Consequent upon a candidate's allotment for a subject, course and a college by counselling :—

(1) **A candidate so admitted to a particular subject, course/category and college will not be entitled for any change on any ground.**

(2) No admission in P.G. course/subject/college will be made after 31st May, 2013 as per guidelines issued by MCI in pursuance of direction laid down by Hon'ble Supreme Court Judgment dated 11th September, 2002 MCI Vs. Madhu Singh & Others.

(3) **Fee refund**—As will be decided by the admission and Fee regulatory Committee.

15. **Interpretation of Rules.**—The State Government reserves the right to amend any rule and procedure for admission. In case of any dispute related to the interpretation of these rules and amendments relating to them, the decision of the State Government shall be final and binding on all concerned.

मध्यप्रदेश के राज्यपाल के नाम से, तथा आदेशानुसार
एस. एस. कुमरे, उपसचिव,

नियंत्रक, शासकीय मुद्रण तथा लेखन सामग्री, मध्यप्रदेश द्वारा शासकीय केन्द्रीय मुद्रणालय, भोपाल से मुद्रित तथा प्रकाशित—2013.